झारखण्ड प्राविधिक परिषद, राँची द्वारा विकसित, डिप्लोमा इन एलीमेन्ट्री एजूकेशन (डी.एल.एड.) पाठ्यक्रम (Syllabus)

SHRI VINOD PUSTAK MANDIR
Corporate Office : Plot No. 4, Mauja Kakretha, Near Foot On Shoes, Sikandra, Agra
Sales Office : Dr. Rangeya Raghava Marg, Agra-2
Ph. : (0562) 2855187, 2855179
Mob. : 9412259407, 9719460187
Fax : 0562-2524532
E-mail : rsainternational@rediffmail.com, shrivinodpustakmandir@gmail.com
Website : www.vinodpustakmandir.in

द्विवर्षीय वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन

प्रथम वर्ष

क्र. सं.	पत्र	विषय का नाम	बाह्य मूल्यांकन		आन्तरिक मूल्यांकन	
			पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1.	फाउण्डेशन पत्र प्रथम	नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा और शिक्षक	60	24	40	16
2.	फाउण्डेशन पत्र द्वितीय	शिक्षा मनोविज्ञान	60	24	40	16
3.	पंचम पत्र	हिन्दी भाषा शिक्षण—विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
4.	षष्ठम पत्र	अंग्रेजी शिक्षण—विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
5.	सप्तम पत्र	संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी /संताली/हो/खड़िया/कुंडुख/ कुड़माली/खोरठा/ पंचपरगनिया शिक्षण— विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
6.	अष्टम पत्र	गणित शिक्षण—विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
7.	नवम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 1— सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
8.	दशम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 2—सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
9.	एकादश पत्र	शिक्षण अभ्यास	40	16	60	24
10.	द्वादश पत्र	कम्प्यूटर	—	—	100	40
11.	त्रयोदश पत्र	कार्यानुभव-2 विषय, शारीरिक शिक्षा	15 × 2 = 30 + 20 = 50	20	15 × 2 = 30 + 20 = 50	20
12.	चतुर्दश पत्र	सामुदायिक जीवन	—	—	100	40

द्वितीय वर्ष

क्र. सं.	पत्र	विषय का नाम	बाह्य मूल्यांकन		आन्तरिक मूल्यांकन	
			पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1.	फाउण्डेशन पत्र तृतीय	विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श	60	24	40	16
2.	फाउण्डेशन पत्र चतुर्थ	शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन	60	24	40	16
3.	पंचम पत्र	हिन्दी भाषा शिक्षण— विषय-वस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
4.	षष्ठम पत्र	अंग्रेजी शिक्षण—विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
5.	सप्तम पत्र	संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी /संताली/हो/खड़िया/कुँड़ुख/ कुड़माली/खोरठा/ पंचपरगनिया शिक्षण—विषय-वस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
6.	अष्टम पत्र	गणित शिक्षण—विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
7.	नवम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 1— सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
8.	दशम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 2— सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
9.	एकादश पत्र	शिक्षण अभ्यास	40	16	60	34
10.	द्वादश पत्र	कम्प्यूटर	—	—	100	40
11.	त्रयोदश पत्र	कार्यानुभव-2 विषय, शारीरिक शिक्षा	15 × 2 = 30 + 20 = 50	20	15 × 2 = 30 + 20 = 50	20
12.	चतुर्दश पत्र	सामुदायिक जीवन	—	—	100	40

फाउण्डेशन कोर्स : फाउण्डेशन पत्र : प्रथम
नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक

इकाई 1 : शिक्षा तथा इसके उद्देश्य

- **शिक्षा का अर्थ, परिभाषा,** उद्देश्य, शिक्षा के कार्य
- **शिक्षा का स्वरूप**
- औपचारिक, अनौपचारिक, न-औपचारिक शिक्षा
- व्यक्ति एवं समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका
- सामाजिक एवं आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका

इकाई 2 : शिक्षण शैली की नई अवधारणा

- परिचय एवं विशेषताएँ

- परम्परागत एवं क्रियाशीलन आधारित शिक्षण की तुलना
- क्रियाशीलनों के प्रकार एवं उनका परिचय

इकाई 3 : शिक्षा की विभिन्न अवधारणाएँ

- जॉन डीवी, फ्रोबेल, पेस्टलॉजी, रूसो, मारिया मॉण्टेसरी
- परिचय एवं विशेषताएँ
- प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षण की प्रमुख विचारधाराएँ
- बुनियादी शिक्षा (गाँधीवाद)
- सौन्दर्य विषयक शिक्षा (रवीन्द्रनाथ टैगोर)

इकाई 4 : शिक्षा में आधुनिक विचारधारा

- शिक्षा एवं आधुनिकीकरण
- शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता
- अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध के लिए शिक्षा
- पर्यावरण शिक्षा
- मानवाधिकार
- जनसंख्या शिक्षा
- मूल्याधारित शिक्षा

इकाई 5 : शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति

- भारतीय संविधान में शिक्षा सम्बन्धी नीति
- समाजवाद, प्रजातंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के राष्ट्रीय लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य
- प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का परिचय
- 1980, 1992 एवं विद्यालय शिक्षा के नये पाठ्यक्रम का ढाँचा 2006 के मुख्य बिन्दु

इकाई 6 : झारखण्ड में प्राथमिक शिक्षा

- झारखण्ड में शिक्षा एवं साक्षरता की स्थिति
- प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में उत्पन्न समस्याएँ एवं सरकार तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किए गए प्रयास एवं सुझाव
- शिक्षक प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के तरीके, सरकार द्वारा किए गये प्रयास एवं सुझाव

क्रियाकलाप :

- महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समूह चर्चा के लिए उपलब्ध कराना, समूह की रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- (क) शिक्षा का स्वरूप

  (ख) प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद पर आधारित क्विज एवं वाद-विवाद का आयोजन करना।

- निम्नलिखित विषयों पर निबन्ध अथवा प्रतियोगिता का आयोजन करना—
  (i) राष्ट्रीय एकता
  (ii) पर्यावरण शिक्षा
  (iii) मानवाधिकार
  (iv) जनसंख्या शिक्षा।
- स्थानीय दो अनौपचारिक व औपचारिक शिक्षा केन्द्रों पर जाकर उनके क्रियाकलाप से करना और उनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

RECOMMENDED BOOK

E0673 नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक

—गुरसरनदास त्यागी एवं डॉ. सविता शर्मा

फाउण्डेशन कोर्स : द्वितीय पत्र

शिक्षा मनोविज्ञान

इकाई 1. शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति और क्षेत्र

- शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति (स्वरूप)।
- शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र।
- प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का महत्त्व।

काई 2. बाल व्यवहार का अध्ययन

- व्यवहार के सिद्धान्त।
- व्यवहार के निर्धारक तत्त्व।
- बालकों के व्यवहार के अध्ययन की विधियाँ—अवलोकन, पूछताछ/साक्षात्कार, जीवन-इतिहास विधि।

काई 3. बालक की वृद्धि एवं विकास

- वृद्धि एवं विकास की अवधारणा।
- विकास की मुख्य अवस्थाएँ।
- विकास की अवस्थाएँ—बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक शारीरिक, बौद्धिक, सांवेगिक एवं भाषा विकास।

काई 4. व्यक्तित्व विकास एवं समायोजन

- व्यक्तित्व का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।
- व्यक्तित्व के विकास में वंशानुक्रम, जैविक कारक एवं वातावरण का महत्त्व।
- समायोजन का अर्थ, विद्यालय, समुदाय एवं परिवार में समायोजन की महत्त्वपूर्ण तकनीक।

काई 5. व्यक्तिगत, विभिन्नता एवं इसका शैक्षिक प्रभाव

- व्यक्तिगत विभिन्नता।
- क्षमता, अभिरुचि, आदत, अभिवृत्ति, सांवेगिक एवं बौद्धिक उपलब्धि और उनका शैक्षिक प्रभाव।

इकाई 6. शिक्षा और अधिगम

- अधिगम का अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धान्त।
- अधिगम के विभिन्न तरीके—अवलोकन, अनुकरण, स्मृति, दृष्टिकोण, अनुसंधान, कौशल, सूचना प्रक्रिया।
- भूल एवं प्रयत्न सिद्धान्त, प्रभाव का सिद्धान्त, अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त।

क्रियाकलाप :

- छोटे बच्चों एवं अर्द्ध-किशोरों के दो अलग-अलग समूहों के व्यवहार का अध्ययन करते हुए उनकी व्यवहारगत विशेषताओं एवं समस्याओं का वर्णन करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- विशिष्ट बालकों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक परीक्षण करते हुए उन्हें उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए सुझाव देना।
- किन्हीं दो समस्यात्मक बालक का जीवन इतिहास (केस स्टडी) तैयार करना।
- बाल्यावस्था के दो एवं किशोरावस्था के तीन बालक/बालिका की विशेषताओं का पता लगाना।
- दो बालक/बालिका की अभिरुचि एवं दो बालक/बालिका की आदतों का पता लगाकर उनका अभिलेख प्रस्तुत करना।

RECOMMENDED BOOK

E0674 शिक्षा मनोविज्ञान —पी. डी. पाठक

पंचम पत्र

हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
- हिन्दी भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी
- मानक हिन्दी भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा और बोली

इकाई 2 : मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय

- मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
- मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषा—मुंडारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख, नागपुरी, कुरमाली, खोरठा, पंच ररंगनिया, इनका सामान्य परिचय

इकाई 3 : गद्य-पद्य शिक्षण

- गद्य शिक्षण—परिचय, गद्य शिक्षण की विधि—आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन
- पद्य शिक्षण—परिचय, पद्य शिक्षण की विधि—सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध-विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि

इकाई 4 : व्याकरण

- ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि
- हिन्दी के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- शब्द परिचय एवं उसके भेद
- लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य

इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि

- पाठ्य-पुस्तक विधि
- व्याख्या विधि
- देखो और कहो
- प्रश्नोत्तर विधि
- खेल विधि
- कहानी विधि

क्रियाकलाप :

- द्रुत वाचन कराना, कविता का सस्वर पाठ करना।
- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- हिन्दी भाषा पर क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव डालने वाले शब्द वाक्य की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन करना।
- सूक्तियों एवं सुभाषितों का लेखन।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट—सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

RECOMMENDED BOOK

E0675 हिन्दी भाषा शिक्षण —डॉ. रामशकल पाण्डेय एवं डॉ. सविता सक्सैना

Sixth Paper
English Teaching : Content Cum Methodology

Unit 1 : Methodology

(a) Purpose of Learning English in the present context
(b) Aims of Learning English to develop language skills
(c) Psychology of Language Learning
  (i) Motivation
  (ii) Meaningful Expression
  (iii) Distracting Factor
  (iv) Language Habits

Unit 2 : Method of Teaching English

(a) The Grammar & Translation method
(b) The Direct method
(c) The Structural method
(d) The Electric method
(e) The Situational method
(f) The Communicative method

Unit 3 : Oral Expression

(i) Narration of stories, events
(ii) Dramatization of stories, events etc.
(iii) Poem presentation with proper turning

Unit 4 : Teaching Reading to Beginners

(i) Reading readiness programme
(ii) Method of teaching, recording words and phrase, sentence method, story method
(iii) Reading aloud and silent reading

Unit 5 : Common Defects

Physical, emotional defects and their rectification.

Personal Projects :

(1) Preparation of special teaching materials apart from charts.
(2) Listing one's strength and weaknesses regarding knowledge and expression of English language and its remedy.
(3) Listening to students speech; finding out spelling defects and suggesting remedies.
(4) Doing a project in order to help students to learn English.
(5) Make a chart of similar and dissimilar words according to their pronunciation.
(6) Make a chart to show to one's continual growth in any one or two of the language skills.
(7) Prepare a lesson plan for teaching English.

Note : All trainees will take part in an analytical study of text books of class one to eight.

RECOMMENDED BOOK

EG151 Teaching of English —**Dr. N. R. Sharma**

सप्तम पत्र

संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1. संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व

- संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व : आधुनिक भारतीय भाषा से तुलना, भारत में संस्कृत शिक्षण की स्थिति, संस्कृत शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक भाषागत एवं व्यावहारिक महत्त्व।

इकाई 2. संस्कृत शिक्षण का स्वरूप

- विद्यालय पाठ्यक्रम में संस्कृत का स्थान एवं महत्त्व, प्रारम्भिक काल एवं आधुनिक काल में संस्कृत की स्थिति, इसके स्वरूप एवं स्तर में अन्तर, संस्कृत भाषा की संरचना एवं इसके वैशिष्ट्य, संस्कृत और नैतिक शिक्षा।

इकाई 3. श्रवण एवं वाचन कुशलता की विधियाँ

- संस्कृत उच्चारण, श्रवण अभ्यास, मौखिक कार्य, शब्दार्थ का अभ्यास, साधारण शब्दों का मौखिक संयोजन।

इकाई 4. संस्कृत लेखन एवं पठन कुशलता की विधियाँ

- वार्त्तालाप का अभ्यास, संस्कृत लेखन एवं पठन की विभिन्न विधियाँ, इसके गुण एवं दोष, संस्कृत गद्य एवं पद्य का सस्वर पाठ, गद्य एवं पद्य की संरचना में अन्तर, संस्कृत के अनुच्छेद की संगीतात्मकता।
- लेखन कार्य, अनुच्छेद लेखन, शब्दों का विश्लेषण एवं उच्चारण, सामान्य अभ्यास पाठ।

इकाई 5. व्याकरण

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन एवं कारक।
- शब्दरूप—अस्मद्, युष्मद्, तद्।
- धातुरूप—स्था, पठ, गम एवं दृश।

इकाई 6. संस्कृत शिक्षण की विधियाँ

- स्वरोच्चारण विधि
- अनुकरण विधि
- अभ्यास विधि
- प्रश्नोत्तर विधि

क्रियाकलाप :

- अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करना।
- संस्कृत शब्दों एवं वाक्यों का अभ्यास करना।
- संस्कृत कविता के सस्वर पाठ प्रतियोगिता में भाग लेना।
- संस्कृत कहानी लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- संस्कृत वार्त्तालाप का अभ्यास करना।
- संस्कृत एकांकी का प्रदर्शन करना।
- संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित पाठ योजना तैयार करना।

नोट—सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

RECOMMENDED BOOK

E0676 संस्कृत शिक्षण —डॉ. रामशकल पाण्डेय

अष्टम् पत्र

गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : गणित शिक्षण का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

- गणित का स्वरूप एवं शैक्षिक महत्त्व
- प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण का उद्देश्य

इकाई 2 : गणित शिक्षण की विधियाँ

- आगमन विधि
- निगमन विधि
- संश्लेषण विधि
- विश्लेषण विधि

इकाई 3 : अंकगणित

- प्राकृत संख्या, पूर्ण संख्या, पूर्णांक, सम संख्या, विषम संख्या, बाईनरी क्रिया, परिमेय संख्या, अपरिमेय संख्या

- संख्या एवं संख्या प्रणाली, संख्या रेखा
- स्थानीय मान का ज्ञान
- भिन्न : साधारण एवं दशमलव भिन्न, आवर्त दशमलव
- अपवर्तक एवं अपवर्त्य
- लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्यक
- ऐकिक नियम
- अनुपात एवं समानुपात का ज्ञान

इकाई 4 : बीजगणित का परिचय

- गुणनखण्ड
- समीकरण
- सरल, युगपद, वर्ग, समीकरण

इकाई 5 : रेखागणित

- बिन्दु, रेखा, रेखाखण्ड, किरण कोण तथा इसके प्रकार
- त्रिभुज तथा इसके प्रकार, समानान्तर रेखाएँ

इकाई 6 : क्षेत्रमिति

- वर्ग एवं आयत की परिमाप एवं क्षेत्रफल का ज्ञान
- त्रिभुज के परिमाप एवं क्षेत्रफल का ज्ञान
- समानान्तर चतुर्भुज, समलम्ब चतुर्भुज, विषम कोण, समचतुर्भुज का ज्ञान

क्रियाकलाप :

- 30°, 45°, 60°, 75°, 90°, 120°, 135°, कोण की रचना करना।
- समबाहु, समद्विबाहु, विषमबाहु, त्रिभुज क रचना करना।
- आयत एवं वर्ग की रचना करना।
- समानान्तर, समलम्ब एवं विषम कोण, समचतुर्भुज की रचना करना।
- वृत्त की रचना करना।
- किन्हीं दो खेल को मैदान की लम्बाई एवं चौड़ाई मापकर रिपोर्ट तैयार करना।
- गिनतारा का निर्माण करना।
- पाठ योजना निर्माण करना।

नोट—कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

RECOMMENDED BOOK

E0677 गणित शिक्षण —डॉ. संजीव माधव शर्मा

नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन 1

सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : पृथ्वी, पृथ्वी की गति, ऋतु परिवर्तन, अक्षांश-देशान्तर

- मौसम और जलवायु पर प्रभाव डालने वाले कारक।
- पर्वत, पठार, मैदान, मृदा, चट्टान, नदी, हिमनदी, मरुस्थल।
- देश, महादेश, सागर, महासागर।
- प्राकृतिक आपदाएँ—बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी, सुनामी।
- नक्शा, मानचित्र अध्ययन, चार्ट, रेखाचित्र एवं ग्लोब का अध्ययन।

इकाई 2 : भारत का प्राचीन इतिहास एवं प्राचीन सभ्यताएँ

- आदिम युग, पाषाण युग।
- प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं वैदिक सभ्यता।
- मुगलकालीन एवं ब्रिटिश शासन।

इकाई 3 : भारतीय संविधान

- भारतीय संविधान का निर्माण एवं विशेषताएँ।
- राज्य के नीति निर्देशक तत्व।

इकाई 4 : केन्द्रीय एवं राज्य शासन

- केन्द्र एवं राज्य की कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका।
- स्थानीय स्वशासन—जिला परिषद्, ग्राम पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम।

क्रियाकलाप :

- किन्हीं दो ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय ग्राम पंचायत/नगरपालिका/नगर निगम के क्षेत्र की स्थिति एवं पदाधिकारियों के नाम तथा दो विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना।
- स्थानीय समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना एवं इसके निदान के लिए सुझाव प्रस्तुत करना।

नोट—कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

RECOMMENDED BOOK

E0678 सामाजिक विज्ञान शिक्षण —गुरसरनदास त्यागी

दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन 2
सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : विज्ञान शिक्षण

- विज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं दैनिक जीवन में महत्त्व
- प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
- विज्ञान शिक्षण की विधियाँ—प्रयोगशाला विधि, प्रदेर्शन सह चर्चा विधि, समस्या निराकरण विधि, ह्यूरिस्टिक विधि
- शिक्षण उपादान—चार्ट, मॉडल, स्लाइड, पाठ योजना तैयारी।

इकाई 2 : भौतिकी

- मापन—मापन की प्रणाली, मानक, इकाई
- गति, कार्य, शक्ति, ऊर्जा एवं बल
- ऊष्मा—परिभाषा, थर्मामीटर, तापगमन की विधियाँ, ऊष्मा द्वारा प्रसार
- प्रकाश—परिचय, प्रकाश स्रोत, छाया, ग्रहण, परावर्तन एवं अपवर्तन, दर्पण एवं लेन्स।

इकाई 3 : रसायन विज्ञान

- अणु, परमाणु
- तत्त्व, यौगिक, मिश्रण
- जल—जल की कठोरता एवं उसका शुद्धिकरण
- अम्ल, भस्म एवं लवण

इकाई 4 : जीव विज्ञान

- सजीव एवं निर्जीव
- जन्तु एवं वनस्पति कोशिका
- मानव शरीर के अंग एवं अंगतन्त्र
- पौधे के भाग एवं उनका परिचय

क्रियाकलाप :

- विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करना।
- स्थानीय परिवेश से जन्तु एवं वनस्पति का संग्रह करना।
- स्थानीय परिवेश का भ्रमण करना।
- स्थानीय जल की अशुद्धता का पता लगाना।

नोट—कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

RECOMMENDED BOOK

E0679 सामान्य विज्ञान शिक्षण —जे. एस. नेगी

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

एकादश पत्र : शिक्षण-अभ्यास

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

1. **सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching)**
   - सूक्ष्म शिक्षण के सम्बन्ध में व्याख्याता के द्वारा अर्थ एवं सामान्य जानकारी दी जाएगी।
   - प्रति प्रशिक्षाणार्थी को कम-से-कम सात सूक्ष्म शिक्षण देना होगा एवं कम-से-कम तीन सूक्ष्म शिक्षण के अवलोकन कर उनका प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करना आवश्यक है।
   - सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण के विषय को ग्रुप में बाँटकर कराया जाएगा।
   - प्रति सूक्ष्म शिक्षण 5 मिनट का होगा एवं अन्त में सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण 15 मिनट का होगा।
   - सूक्ष्म शिक्षण का पाठ योजना तैयार कर सूक्ष्म शिक्षण प्रस्तुत करना होगा।
2. **प्रदर्शन पाठ/आदर्श पाठ (Demonstration Lesson)**
   - सूक्ष्म शिक्षण का एक-एक आदर्श पाठ व्याख्याताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

- सूक्ष्म शिक्षण का आदर्श पाठ विषयवार व्याख्याताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।
- कुल प्रदर्शन पाठ की संख्या 6 होगी।
- सभी प्रशिक्षणार्थियों की सभी प्रदर्शन पाठ में उपस्थिति अनिवार्य है।

3. **समालोचना पाठ (Criticism Lesson)**
   - प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम-से-कम एक समालोचना पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
   - प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम-से-कम पाँच समालोचना पाठ में उपस्थित रहकर एवं पाठ का अवलोकन कर उनका रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
   - समालोचना पाठ की अवधि एक पूर्ण वर्गाविधि की होगी।
4. **शिक्षण-अभ्यास (Practice Teaching)**
   - प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिवर्ष शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
   - प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिदिन कम-से-कम दो शिक्षण अभ्यास पाठ बनाना आवश्यक है।
   - शिक्षण अभ्यास के लिए पाठ योजना शिक्षण अधिगम सामग्री एवं विषय तैयारी के साथ पाठ प्रस्तुत करना है।
   - शिक्षण अभ्यास के दौरान प्रशिक्षणार्थी को दैनिक दैनिन्दिनी (डायरी) लिखना आवश्यक है।

द्वितीय वर्ष में प्रदर्शन पाठ एवं समालोचना पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं है।

- प्रथम वर्ष की भाँति द्वितीय वर्ष में सात सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना एवं तीन सूक्ष्म शिक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- द्वितीय वर्ष में तीन शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक है जिसमें प्रत्येक विषय से दो शिक्षण अभ्यास पाठ अवश्य होना चाहिए।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

द्वादश पत्र

कम्प्यूटर (Computer)

1. कम्प्यूटर के सभी अवयवों एवं सम्बन्धित उपकरणों की जानकारी
2. कम्प्यूटर ऑपरेशन की जानकारी
3. Logo का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी
4. D. W. Basic Programming का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी
5. Internet का परिचय एवं Internet browse करने की जानकारी

सत्रगत कार्य

1. कम्प्यूटर के मुख्य अवयवों एवं उपकरणों का चित्रण एवं नामकरण
2. Logo के 5 Output का चित्रण
3. D. W. Basic के 5 Output का चित्रण

4. Internet की प्रक्रिया का चित्रण एवं वर्णन
5. Logo के 5 Output प्रदर्शित करना
6. D. W. Basis के 5 Output प्रदर्शित करना
7. Internet खोलना एवं browse करके दिखाना

RECOMMENDED BOOK

E0680 कम्प्यूटर शिक्षा —डॉ. राखी अग्रवाल

त्रयोदश पत्र
कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

कार्यानुभव—निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो करना अनिवार्य है।

1. **बागवानी (Gardening)**
   (i) बागवानी में प्रयुक्त होने वाले औजारों जैसे—खुरपी, हंसुआ, कुदान, ग्रास-कटर, फुलझरी इत्यादि के प्रयोग की जानकारी होना।
   (ii) जमीन की तैयारी, खाद डालना, निराई करना, क्यारी तैयार करना।
   (iii) सिंचाई हेतु नाली तैयार करना।
   (iv) विभिन्न मौसमों में उपजने वाले साग-सब्जियों का बिचड़ा तैयार करना, उन्हें लगाना तथा उनकी देख-रेख करना।
2. **कृषि (Agriculture)**
   (i) कृषि उपकरण—हल, ट्रैक्टर, पावरटीलर, हेंगा, पाल्टा, कुदाल, खुरपी, हँसुआ आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर उनका उपयोग आवश्यकतानुसार करना।
   (ii) प्रमुख खरीफ फसल जैसे—धान, मकई, ज्वार, बाजरा, उड़द, गोंदली तथा रबी फसल जैसे—चना, मसूर, मूँग, कुरथी, जौ आदि की जानकारी प्राप्त करना एवं दोनों तरह की फसलों में से एक-एक फसल उपजाना।
   (iii) क्यारी की तैयारी एवं पौधशाला निर्माण की विधि जानना एवं उन्हें तैयार करना।
   (iv) उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी प्राप्त करना, उनका चुनाव करना तथा उनका प्रयोग करना।
3. **गृह विज्ञान (Home Science)**
   (i) सन्तुलित आहार की दृष्टि से भोज्य-पदार्थों की जानकारी प्राप्त कर इनका सही ढंग से उपयोग करना।
   (ii) भोज्य पदार्थों का संग्रह, परीक्षण एवं प्रबन्धन करना।
   (iii) रूमाल, टेबल-क्लॉथ, तकिया-गिलाफ एवं किसी भी धातु से पाँवदान तैयार करना।
   (iv) दीवार-सजावट, कमरों की सजावट, उत्सव एवं कार्यक्रमों के समय की सजावट तथा रंगोली बनाना।

4. **कोलाज-कार्य**

(i) स्थानीय छीजन एवं बेकार वस्तुओं से उपयोगी सामग्री तैयार करना।

(ii) विभिन्न प्रकार के चेपक की जानकारी प्राप्त करना एवं उनका उपयोग करना।

(iii) रंगीन एवं विभिन्न प्रकार के कागज, बीज, पत्ती, घास, चिड़ियों के पंख आदि से बने खिलौने अथवा फूलदानी तैयार करना।

(iv) शुभकामना कार्ड, बधाई कार्ड, कार्यक्रम सम्बन्धी कार्ड एवं निमन्त्रण कार्ड तैयार करना।

5. **कटाई एवं सिलाई (Cutting & Tailoring)**

(i) कटाई एवं सिलाई के औजारों का परिचय एवं उनका उपयोग करना।

(ii) विभिन्न स्टिच जैसे—रनिंग स्टिच, हेमिंग स्टिच, बैक स्टिच, क्रॉस स्टिच, पेचिंग स्टिच, कट, बर्क, बटन, हॉल स्टिच, जमा स्टिच इनमें से किसी छः स्टिच का अभ्यास कर नमूना तैयार करना।

(iii) 2 लेडीज एवं दो जेन्स रूमाल तैयार करना।

(iv) 1 टेबल क्लॉथ तैयार करना।

(v) फ्रॉक-समीज-जांघिया, कुर्ता-पाजामा, बाबा सूट में से किन्हीं दो सेट को तैयार करना।

6. **शारीरिक शिक्षा**

(i) ड्रिल, मार्चिंग एवं मार्च पास्ट का अभ्यास करना।

(ii) प्रातःकालीन व्यायाम में भाग लेना।

(iii) संध्या समय खेल में भाग लेना।

(iv) दौड़, लम्बी-कूद, ऊँची-कूद, रस्सी कूद में भाग लेना।

(v) फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केट बॉल एवं कबड्डी में से कम-से-कम एक खेल में भाग लेना।

(vi) सूर्य नमस्कार, वज्रासन, सर्वांगासन, शीर्षासन में से किन्हीं दो का अभ्यास करना।

(vii) स्काउट-गाइड क्रियाशीलन में भाग लेना।

RECOMMENDED BOOK

E0681 **कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा**

—डॉ. के. सी. वशिष्ठ एवं डॉ. जी. पी. शैरी

अन्य सन्दर्भित पुस्तकें

कोड	पुस्तक का नाम	लेखक
E0374	उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक	—डॉ. राणा बलवन्त सिंह
E0106	उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक	—डॉ. रामशकल पाण्डेय
E0279	उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा	—डॉ. के. सी. वशिष्ठ
E0390	उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा	—डॉ. रामपाल सिंह वर्मा
EG053	Teacher in Developing Indian Society	—Dr. R. S. Pandey
EG020	Education in India Today & Tomorrow	—S. N. Mukerji
E0126	भारतीय शिक्षा के आयोग	—पी. डी. पाठक/त्यागी
E0346	शैक्षिक-मनोविज्ञान	—आभारानी विष्ट
E0015	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. एस. एस. माथुर
E0217	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. के. सी. अग्रवाल
E0014	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. के. सी. अग्रवाल
E0327	शिक्षा-मनोविज्ञान	—पी. डी. पाठक
E0016	शिक्षा-मनोविज्ञान	—पी. डी. पाठक
E0171	शिक्षा-मनोविज्ञान (HPTT)	—पी. डी. पाठक
E0017	शिक्षा-मनोविज्ञान (वृहद संस्करण)	—पी. डी. पाठक
E0348	शिक्षा-मनोविज्ञान	—पी. डी. पाठक
E0322	शिक्षा-मनोविज्ञान (संशोधित संस्करण)	—पी. डी. पाठक/चौहान
E0019	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. के. पी. माथुर
E0246	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. उमा सिंह/डॉ. सेवानी
E0349	शिक्षा-मनोविज्ञान	—डॉ. रामपाल सिंह
E0350	शिक्षा-मनोविज्ञान	—पी. डी. शर्मा
E0395	शिक्षा-मनोविज्ञान	—प्रो. सुरेश भटनागर
E0107	शिक्षा-मनोविज्ञान एवं शिक्षण-शास्त्र	—प्रो. सुरेश भटनागर
EG001	Educational Psychology	—Dr. S. S. Mathur
EG055	Development of Learner and Training Learning Process	—Mathur/Mathur
EG062	Advanced Educational Psychology	—Sitaram Jaiswal
EM001	भाषा 1, 2 की शिक्षण विधियाँ एवं पाठ-नियोजन	—डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा

EM002	हिन्दी-शिक्षण	—डॉ. रामशकल पाण्डेय
EM005	हिन्दी भाषा शिक्षण	—भाई योगेन्द्रजीत
EM036	नूतन हिन्दी शिक्षण	—डॉ. के. आय. सत्तिगेरी
EM037	नूतन हिन्दी शिक्षण	—डॉ. रामशकल पाण्डेय
E0203	हिन्दी भाषा शिक्षण	—डॉ. मनोज कुमार/रीना
E0428	हिन्दी-शिक्षण	—डॉ. सुमेधा पाठक
E0291	मातृभाषा शिक्षण	—डॉ. संजय गुप्ता
EM043	आधुनिक सामाजिक विज्ञान अध्यापन	—डॉ. बी. एम. माथुर
EM012	सामाजिक अध्ययन का शिक्षण	—डॉ. गुरसरनदास त्यागी
EM035	सामाजिक विज्ञान शिक्षण	—डॉ. भँवरलाल गर्ग
EM039	सामाजिक विज्ञान और उसका शिक्षण	—शर्मा/शर्मा
E0293	सामाजिक विज्ञान का शिक्षण	—डॉ. संजय गुप्ता
EM017	नवीन विज्ञान शिक्षण	—डॉ. रावत/अग्रवाल
EM019	विज्ञान-शिक्षण	—डी. एस. रावत
EM033	विज्ञान-शिक्षण	—प्रो. जे. के. सूद
EM021	गणित शिक्षण	—डॉ. रावत/अग्रवाल
EM034	गणित शिक्षण	—डॉ. जे. एस. नेगी
BTC12	गणित शिक्षण	—डॉ. सोरन सिंह
E0208	गणित शिक्षण	—डॉ. मनोज कुमार/श्री परशुराम धाकड़
E0292	गणित शिक्षण	—डॉ. संजय गुप्ता
EG015	Teaching English in India	—Dr. Abha Rani Bist
E0206	Teaching of English	—Mrs. Mam. Chaudhry/ Mrs. Komal Yadav
E0216	Teaching of Englsih	—Dr. K. C. Agarwal
EG047	Teaching of Social Studies	—Dr. R. L. Sharma
EG056	Teaching of Science	—Prof. J. K. Sood
EG057	Teaching of Mathematics	—Dr. Siyaram Yadav
EG046	Essentials of English Teaching	—Jain/Sharma